## अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 20.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा षष्टम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

### पच्चीस बोल, तत्त्व चर्चा, पच्चीस बोल की चर्चा, पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–20

प्र. 1 **पच्चीस बोल–**किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) जीव के शुभाशुभ परिणाम को क्या कहते हैं?

(ख) ये जीव हैं, जीते हैं, ऐसी प्रतीती किससे होती है?

(ग) पांच कोटि त्याग का भांगा लिखें।

(घ) भिन्नाकारता से पदार्थों को जानने को क्या कहते हैं?

(ड़) आश्रव तत्त्व का बारहवां भेद कौन सा है? नाम लिखें।

(च) अठारहवें बोल में दृष्टि शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?

(छ) आत्मा की अशुद्ध प्रवृत्ति के निरोध को क्या कहते हैं?

प्र. 2 **तत्त्व चर्चा–**किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) जीव चोर या साहूकार? इसमें 'साहूकार' शब्द का अर्थ लिखें।

(ख) पुण्य रूपी आ अरूपी? क्यों?

(ग) जीव हेय या उपादेय? क्यों?

(घ) धर्मास्तिकाय आदि प्रथम चार द्रव्य रूपी या अरूपी?

(ड़) हेय, ज्ञेय, उपादेय का क्या अर्थ है?

(च) त्याग संवर है या निर्जरा? क्यों?

(छ) पुण्य और पुण्यवान एक या दो?

प्र. 3 **पच्चीस बोल की चर्चा–**(किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें (किसमें और कौन-कौन से)– 6

(क) वैक्रिय शरीर में कितनी काय होती है? कौन-कौन सी काय के जीवों के वैक्रिय शरीर होता है?

(ख) ग्यारह दण्डक किसमें व कौन-कौन से?

(ग) विकलेन्द्रिय शब्द का अर्थ क्या है? इसमें कौन-कौन सी इन्द्रियां आती हैं?

(घ) चौदहवें गुणस्थान में कितने व कौन-कौन से प्राण होते हैं?

(ड़) दस योग किसमें व कौन-कौन से पाते हैं?

प्र. 4 **चतुर्भंगी–**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 4

(क) किस दृष्टि वाले जीव कम है व क्यों?

(ख) निर्जरा किस कर्म का क्षायिक क्षायोपशमिक भाव है?

(ग) किस प्राण के जीव सबसे कम व क्यों?

(घ) द्रव्य योग किसे कहते हैं?

(ड़) किस गुणस्थान के जीव कम, किस गुणस्थान के जीव अधिक?

(च) आत्मा किस कर्म का उदय?

## जैन तत्व प्रवेश (प्रथम खण्ड) प्रतिक्रमण, कर्म प्रकृति–20

प्र. 5 **जैन तत्व प्रवेश–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) षड्द्रव्य द्वार-पुद्गलास्तिकाय से शुरू करके अंत तक लिखें।

(ख) भाव को परिभाषित करते हुए औदयिक भाव लिखें।

(ग) जीव और कर्म का मिलाप कैसे होता है? क्या पहले कर्म और बाद में जीव बने, यह ठीक है?

(घ) संसारी जीवों के दो-दो भेद से लेकर पांच वर्गों तक लिखें।

(ड़) तत्त्व का अर्थ बताते हुए प्रथम चार तत्त्वों के बारे में बतायें।

प्र. 6 **प्रतिक्रमण–**किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखें– 5

(क) सत्य अणुव्रत लिखें।

(ख) भागोपभोग-परिमाण-व्रत के अतिचार लिखें।

(ग) यथासंविभाग व्रत लिखें।

प्र. 7 **कर्म प्रकति–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) दर्शनावरणीय कर्म भोगने के हेतु (अनुभाव) लिखें।

(ख) अबाधाकाल के बारे में बतायें।

(ग) आयुष्य कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति बतायें।

(घ) नाम कर्म की स्थिति, अबाधाकाल एवं अशुभ नाम कर्म बंध के हेतु बतायें।

## बावन बोल, इक्कीस द्वार, जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय एवं तृतीय खण्ड)–20

प्र. 8 **बावन बोल**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) चौथे गुणस्थान में सम्यक्त्व आ जाने पर भी संवर के बोल क्यों नहीं पाते हैं?

(ख) मोहनीय कर्म के उदय से कौन-कौन से परीषह उत्पन्न होते हैं?

(ग) नौ तत्त्व के एक सौ पन्द्रह बोलों में कितने बोल हेय हैं? किस बोल के कितने?

(घ) पन्द्रह योग चतुस्पर्शी या अष्टस्पर्शी? रूपी या अरूपी?

(ड़) आठ आत्मा में कर्मों की कर्त्ता, रोकता, तोड़ता कितनी व कौन सी?

प्र. 9 **इक्कीस द्वार**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें (कितने व कौन-कौन से)– 6

(क) देवांगना में योग, जीव के भेद, आत्मा, वीर्य?

(ख) अनिन्द्रिय का क्या अर्थ है? अनिन्द्रिय में औदारिक मिश्र व कार्मण किस अपेक्षा से है?

(ग) पृथ्वीकाय में उपयोग, भाव, आत्मा, लेश्या?

(घ) अचरम में किन-किन जीवों को लिया है? अचरम में दृष्टि, दंडक?

(ड़) भाषक में जीव के भेद, दंडक, पक्ष, लब्धि?

प्र. 10 **जैन तत्त्व प्रवेश**–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) गुणस्थान किसे कहते हैं? प्रथम छह गुणस्थान के बारे में लिखें।

(ख) व्रताव्रत द्वार प्रारंभ से लिखते हुए चारित्र के अधिकारी छठे निर्ग्रंथ तक लिखें।

(ग) तिर्यंच–हाथी, घोड़ा, बैल, गाय, भैंस आदि (पांच इन्द्रिय वाले) जीवों की पृच्छा लिखें।

(घ) आगम द्वार प्रारंभ से लिखते हुए दृष्टिवाद के भेद तक लिखें।

## लघु दण्डक व पांच ज्ञान–20

प्र. 11 **लघु दण्डक**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) युगलियों की स्थिति लिखें।

(ख) दर्शन द्वार लिखें।

(ग) वेद द्वार लिखें।

(घ) योग द्वार प्रारंभ से लिखते हुए सर्वयुगलिया से पहले तक लिखें।

(ड़) संहनन द्वार लिखें।

प्र. 12 **पांच ज्ञान–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) अवधिज्ञान के द्वारा देखने की शक्ति का यंत्र नौ निकाय तक लिखते हुए बतायें कि नौ निकाय व गव्यूत किसे कहते हैं?

(ख) मनःपर्यव ज्ञान क्षेत्रतः लिखें।

(ग) अनानुगामिक अवधिज्ञान को समझाएं।

(घ) अनन्तर सिद्ध केवलज्ञान के अंतिम पांच प्रकार के बारे में बताते हुए परम्पर सिद्ध केवलज्ञान के प्रकार के नाम बतायें।

## संजया-नियंठा–20

प्र. 13 **संजया–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) छेदोपस्थापनीय चारित्र का अंतर द्वार टिप्पण के आधार पर बतायें।

(ख) सूक्ष्मसंपराय चारित्र का स्थिति द्वार बताते हुए टिप्पण के आधार पर बतायें कि उत्कृष्ट समय किस अपेक्षा से लिया है?

(ग) यथाख्यात चारित्र का ज्ञान द्वार टिप्पण के आधार पर बतायें?

(घ) सामायिक चारित्र का कर्म उदीरणा द्वार टिप्पण के आधार पर बतायें?

(ड़) यथाख्यात चारित्र का लेश्या द्वार टिप्पण के आधार पर बतायें?

प्र. 14 **नियंठा–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) कषाय कुशील का शरीर द्वार टिप्पण के आधार पर बतायें?

(ख) पुलाक का लेश्या द्वार टिप्पण के आधार पर बतायें?

(ग) स्नातक का आहारक द्वार टिप्पण के आधार पर बतायें?

(घ) निर्ग्रंथ का प्रज्ञापना द्वार व राग द्वार लिखें।